



















# फारस्ख-क्लाइव के नाम ओल्डट्रैफर्ड में स्टैड होगे



● भारत-इंग्लैंड चौथे टेस्ट  
में सम्झौता गिरेगा,  
लंकाशायर के लिए भारत के  
पूर्व विकेटकीपर 175 बैच छोड़े

मैनचेस्टर, वार्ता। भारत के पूर्व विकेटकीपर फारस्ख इंजीनियर और बेस्टबैटर के दिग्गज नाम पर अब इंग्लैंड के ऐतिहासिक ओल्डट्रैफर्ड मैदान में स्टैड होगा। यह समान उन्हें उनकी पूर्व काउंटी टीम लंका-शायर ने 15 सालों में कोई बड़ा खिलाफ नहीं जीता था, लेकिन उनकी मौजूदी में टीम ने 1970 से 1975 के बीच गिलेट कप चार बार जीता।

दो बार के वर्ल्ड कप विजेता कपान बलाइव लायड ने लंका-

शायर के साथ करीब 20 दशक दौरे औ टीम के खेल में क्रांतिकारी बदलाव लाए। वे 1970 के दशक में एक विदेशी खिलाड़ी का रूप में लंका-शायर के पहले दिन आयोजित हो सकता है। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। इंग्लैंड क्रिकेट के एक अधिकारी ने कहा, यह दोनों दिग्गजों के लिए एक उपयुक्त और

सम्मानजनक पहल है। फारस्ख इंजीनियर ने 1968 से 1976 के बीच लंका-शायर के लिए 175 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 5942 रन, 429 कैच और 35 स्टंपिंग की। उनके साथ उन्हें एक बार लंका-शायर ने 15 सालों में कोई बड़ा खिलाफ नहीं जीता था, लेकिन उनकी मौजूदी में टीम ने 1970 से 1975 के बीच गिलेट कप चार बार जीता।

सूत्रों के मुताबिक, यह

ट्रैड-नामकरण समारोह भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन आयोजित हो सकता है। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। इंग्लैंड क्रिकेट के एक अधिकारी ने कहा, यह दोनों दिग्गजों के लिए एक उपयुक्त और

देखने के लिए दूर-दूर से आते थे। उन्होंने आगे कहा, डेसिंग रूम से हम वाराविक रोड रेलवे स्टेशन को देख सकते थे, और और चंच से पहले द्वारों से भी डॉउटरती थी। उत्साहित आयोजित हो सकता है। हमारे लाकर आटोमोबाइक और पार्टी इन्विटेशन से भरे रहते थे। खलाइव लायड, यूट्साहित विलेंग, पीटर लेवर और केन शटलवर्थ जैसे नामों से टीम की खुब चर्चा होती थी।

हम उस दौर की सबसे

फेमस वनडे टीम बन गए थे। दिलचस्प बात यह है कि जहां फारस्ख इंजीनियर ने भारत में ब्रावोन ट्रैडिंगम में सबसे ज्यादा खिलाड़ी का रूप में लंका-शायर के पहले दिन आयोजित हो सकता है। भारत के पूर्व कपान विलीप वोंगस्टर, जो निजी दौरे पर मैनचेस्टर स्टैड में, इस समारोह में शामिल हो सकता है। उन्होंने लंका-शायर के पहले दिन आयोजित हो सकता है। लंका-शायर के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।



UNITED WORLD WRESTLING

## सुमित ने जीता 60 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक

● टूर्नामेंट ने भारत के तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्ट्रॉक्ट कुल 10 पदकों के साथ अग्रिमान खत्म किया

प्री-क्वार्टर फाइनल में सादिक लालाईव को 9-3, क्वार्टर फाइनल में कोरिया के डेंग्यू किम को 7-4 से फॉल के जरिए शिक्कस दी थी और सेमीफाइनल में कोरिया के गालिम कबदुनास्सारोव को 10-1 से हराया। वर्तमान, भारत के अनिल मोरा ने ग्रीको-रोमन 55 किग्रा वर्ग में कांस्ट्रॉक्ट पदक जीता। उन्होंने डेंग्यू किस्तान के डाक्टरियो बॉलिट्रोव का 7-4 से हराया। इससे पहले अनिल ने मई में उत्तानबार अंपन में इसी कैटैरोरी में स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में अनिल का योरोपीय चैम्पियन एमिन से फेरफारायेव से 1-6 से हराकर का समान करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने रेंचेज में माल्डावा के अंतिम डेलीअनु को 7-0 से हराकर कांस्ट्रॉक्ट पदक में जगह बनाई।

## एशियाकप पाक टीम भारत नहीं आएगी

● सूरक्षा को लेकर धिता  
जताई, भारतीय टीम नी  
पाकिस्तान ने चैपियन ट्रॉफी  
खेलने नहीं गई थी

● विश्व चैपियनशिप ऑफ  
लीगेंस में भारत-पाक नैत  
नी रद्द, वालीबाल टूर्नामेंट  
पाक से उत्क्रिस्टान ट्रॉफी

नई दिल्ली/कराची, वार्ता। पाकिस्तान हाँको टीम भारत में होने वाले एशिया कप में भाग लेने के लिए नहीं आएगी। पाकिस्तान के मैचों का लकर क्या करना है। भारत ने साल 2024 में चैन में खेले गए एशियन चैम्पियंस ट्राफी के बाताया कि भारत वाले भी खिलाड़ी भी भारत में होने वाले प्रशिया कप में लिए उत्क्रिस्ट कहीं हैं। यह दूर्घाष्ट कर्ड कप का क्वालिफाइकेशन भी है।

तुरुगी ने यह भी बताया कि एक आईएच और एचएच के लिए ट्रॉफी-मैट और एक आईएच के अंक्षय लारिक वालों ने बताया कि वारान वाले भी खिलाड़ी भी भारत में होने वाले एशिया कप 27 अग्रिम तरह से होना है, जो 7 सितंबर तक बिहार के राजगारी स्टेडियम में होता है।

## भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम को नीदरलैंड ने दौंदा



नीदरलैंड, वार्ता। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को योरोपीय दौंद के अपने आधिकारी मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 2-8 से खेल कर भारत वालों को हाराया था। योरुग्रीष प्रमुख ने यह भी खिलाड़ी भी भारत में होने वाले एशिया कप 27 अग्रिम तरह से होना है, जो 7 सितंबर तक बिहार के राजगारी स्टेडियम में होता है।

की थी और इस दौंद के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि कुछ सीधी हॉकी टीमा, जिनमें खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। इस दौंद के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि कुछ सीधी हॉकी टीमा, जिनमें खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। इस दौंद के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि कुछ सीधी हॉकी टीमा, जिनमें खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि कुछ सीधी हॉकी टीमा, जिनमें खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बारे में नहीं था, बल्कि एक टीम के रूप में इस दौंद से मिली सीधी और अनुभव के बारे में था। उन्होंने कहा कि कुछ सीधी हॉकी टीमा, जिनमें खिलाड़ियों का नंबर बन नीदरलैंड के खिलाफ करने के बारे में जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की। भारत ए के कोच शिवंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि इस दौंद के बारे में जीत से जीत दर्ज की।

यह नीदरलैंड के बार

## न्याय की जीत

सोमवार को मुंबई उच्च न्यायालय से एक बड़ा फैसला आया। जिसमें 2006 में हुए मुंबई लोकल ट्रेन सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले के सभी 12 आरोपियों को सूत्रों के अभाव में बरी कर दिया गया। इनमें पांच अभियुक्त वह थे, जिनको निचली अदालत से फार्सी की सजा मिल चुकी थी। बाकी सात को आजीवन कारावास की सजा हुई थी। यह फैसला विशेष मार्का अदालत ने सितंबर 2015 में दिया था। जिन लोगों को मौत की सजा सुनाई गई थी, उनमें एक कमिल अंसारी भी था। जिसकी मौत नाराज़े सेंटर जेल में बैंद होने के दौरान कोरोना से मौत हो गई थी। यह फैसला हादसे के उत्तराधीन बाद आया। यहाँ यह बताना भी ज़रूरी है कि यह घटना 11 जुलाई 2006 में तब हुई थी, जब शाम के व्यस्त समय में मुंबई के उत्तर नगरीय रेलवे नेटवर्क ने पश्चिमी रेलवे की ट्रेनों को प्रथम प्रणी के डिब्बों को निशाना बनाया गया था। हातहतों की संख्या बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए प्रेशर बॉम्बों ने 189 लोगों की जान ले गई थी और सात सौ से अधिक लोग घायल हुए थे।

इस परे मामले की जांच महाराष्ट्र के आतंक विरोधी दस्ते ने की ओर उत्तरी कांच में आतंकी संगठनों लक्षण-ए-तैयबा और सीमी की संस्थानों की बात नामे आई थी और 12 लोगों के खिलाफ आरोप तय किए गए थे। निचली अदालत के फैसले के मुंबई उच्च न्यायालय में चुनावी दी गई थी और इस पूरे मामले की पैरवै आरोपियों को तरफ से महाराष्ट्र की जमीयत उल्लेख की अधिकारी विवादित किया गया था। यहाँ यह बताना भी ज़रूरी है कि यह घटना 11 जुलाई 2006 में तब हुई थी, जबकि 714 लाग घायल हुए थे। 19 साल बाद 21 जुलाई को आए वॉच्वे हाईकोर्ट के फैसले ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। यहाँ यह उल्लेख ज़रूरी है कि एंटी ट्रेटिंग वॉच्वे (एटीएस) 2006 से तीन अक्टूबर, 2006 के बीच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसी साल नवंबर में आरोपियों ने कार्ट को तिखित में जानकारी दी कि उन्ने जबरन इकावालिया बयान तिले गए। एटीएस को चार्जशीट में 30 आरोपी बनाए गए। इनमें से 13 की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों ने तरीफ़ पर।

11 सितंबर 2015 को स्पेशल मकोन कोटिन ने 13 आरोपियों में से 12 आरोपियों को दोषी माना और पांच को फार्सी सात को उप्रकेत की सजा सुनाए हुए एक आरोपी को बरी कर दिया। इन्हीं में एक सुपरी अद्वल कक्ष्यम् थे, उन्होंने अपनी बुगुनाही पर है। 1 साल सलाखों के पीछे नामी चौर्वित सुस्क भी लिया। इस पुस्क में उनकी साथ हुए ज्यादातर को उल्लेख है। 13 मई 2008 को जयपुर में आतंकी कार्ट को बरी कर दिया है। मुंबई हाईकोर्ट के हालिया फैसले ने एक बार फिर सुरक्षा जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर रसवाल खड़े कर दिया है। सरकार बड़ा सवाल तय है कि क्या यहाँ यह आरोपियों का उल्लेख है। 1 साल लाग घायल हुए थे। यहाँ यह आरोपियों को बरी कर दिया है। मुंबई हाईकोर्ट के हालिया फैसले में 73 लोगों की जान गई थी। इस मामले में निचली अदालत ने 20 सितंबर 2019 को सेफ, सेफुल रसमान, सरकार और सलमान को सुरक्षा एजेंसियों में कर्तव्यानुभवी लेकिन 29 मार्च 2023 तक ग्रस्त नहीं है। क्या यह इसके बारे ही कि सुरक्षा एजेंसियों ने इस तरह के बाब ब्लास्ट का आरोपी बनाया, वो सब एक ही समुदाय के हैं। सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्तारी के बाब एक जांच हो रही है और वो कहनियां अदालत में न्याय की कसाई पर खारी ही नहीं हैं। यहाँ यह आरोपियों को बरी कर दिया। ये तीन ऐसे मामले हैं, जिनमें निचली अदालतों ने आरोपियों को दोषी कराए देते हुए सजा सुनाई थी, लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कार्ट ने निचली अदालतों के फैसलों को पलटाए हुए दोषी ठहराए गए लोगों को इकावत बरी किया है। यहाँ यह आरोपियों को अदालतों के बाब एक जांच हो रही है। इसके बाब एक जांच हो रही है, जिन आरोपियों को निचली अदालत दर्जनों से बरी की जाती है। यहाँ यह आरोपियों को बरी कर दिया है। यहाँ यह आरोपियों को आतंकवाद के आरोप में लिए सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया ट्रायल द्वारा

क्योंकि अदालत का कहना है कि विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने अपराध किया था। पीठ ने अविश्वसीन्य गवाहों, सर्विद्ध पहचान देकर इकावालिया बयान लेने के लिए भी जांच दल की आलोचना की। पीठ का सफ कहना है कि इस्तेमाल हुए बम के ब्यो सहित दसरे बुनियादी तथ्यों को स्थापित करने में एटीएस विफल रहती है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अपराधीय विवरणों की पुष्टि के लिए काफी है। यहाँ यह आरोपियों की उल्लेख जारी करने में एटीएस विफल रहती है। निश्चित रूप से अदालत का यह फैसला महाराष्ट्र एटीएस के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है और यह भी बताने के लिए काफी है कि हमारी जांच एजेंसियों वेबहृदार अप

